सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 08 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 9 फरवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

कानून और व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार पड़े तो दवा जरूर दी जानी चाहिए।
–बी.आर. आंबेडकर

जिद...सच की

मैं अपने बयान पर कायम, माफी नहीं... 8 | जातीय जनगणना और रामचरितमानस... 3 | किसानों की आय दोगुना होने की बात... 7

बजट सत्र : अब राहुल-खरगे के बयानों को हटाने पर मचा हंगामा

कांग्रेस ने लोकतंत्र को दफन करने का लगाया आरोप

» मल्लिकार्जुन खरगे ने याद दिलाया, अटल बिहारी बाजपेयी और नरसिम्हा राव का वाकया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और जेपीसी की मांग को लेकर शुरू हुआ संसद के दोनों सदनों का हंगामा अब सत्र के १०वें दिन राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों को सदन के रिकॉर्ड से हटाने पर आ गया है। कांग्रेस के इन दोनों नेताओं के बयानों को हटाने पर कांग्रेस द्वारा संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया गया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण देते हुए विपक्ष पर कई जोरदार हमले बोले। हालांकि, अपने एक घंटे से भी अधिक लंबे भाषण के दौरान पीएम मोदी 7 फरवरी को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा पूछे गए तीखे सवालों के जवाब देने से पूरी तरह से बचते दिखे।

पीएम मोदी के भाषण से एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने लोकसभा में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और गौतम अडानी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरते हुए उनसे कुछ सवाल किए थे। इसके अगले ही दिन लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद देते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस समेत पर पूरे विपक्ष पर कई हमले बोले, लेकिन राहुल गांधी के हर सवाल के जवाब से वो बचते ही रहे। इसको लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सदन के बाहर ये कहा भी कि आखिर पीएम मोदी ने उनके एक भी सवाल का जवाब क्यों नहीं दिया। इससे सच सामने आ जाता है। अगर वे मित्र नहीं होते, तो वह जांच करवाने के लिए तैयार हो जाते। आखिर छप्पन इंची सीने की बात करने वाले पीएम मोदी राहुल

मेरे शब्द क्यों हटाए गए : राहुल

7 फरवरी को राहुल गांधी ने लोकसभा में मोदी सरकार और अडानी समूह के कथित संबंधों को लेकर जमकर निशाना साधा था। सदन में राहुल गांधी ने जो भाषण दिया, उसके कुछ अंशों को संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। बीजेपी सांसदों ने राहुल गांधी के भाषण का विरोध किया था। अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी ने कहा था, 'जब प्रधानमंत्री जी दिल्ली आते हैं.. और 2014 में असली जादू शुरू होता है। मैंने कहा कि 2014 में वो 609 नंबर पर थे, कुछ सालों में वो दूसरे नंबर पर पहुंच गए. कैसे पहुंचे? मैं आपको दो-तीन इंडस्ट्रीज का उदाहरण दे देता हूं। इसके बाद राहुल गांधी ने कई उदाहरण के माध्यम से अपनी बात को समझाया था। इस दौरान राहुल गांधी ने एक फोटो भी सदन में दिखाया था। राहुल गांधी के बयान के इस तरह के कई अंशों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया है। इस पर राहुल गांधी ने सवाल किया कि मेरे बयान को क्यों हटाया गया? वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा है कि लोकसभा में लोकतंत्र दफन कर दिया गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में जहां-जहां पर भी पीएम मोदी और अडानी के रिश्ते की बात की है और दोनों के नामों को एक साथ लिया है, उस हिस्से को कार्यवाही से हटा दिया गया है। इसके बाद कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया गया।

मेरे भाषण में ऐसा कुछ असंसदीय नहीं था : खरगे

राहुल गांधी के बयान को हटाने का मुद्दा अभी गर्म ही था, कि कल राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का भी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और अडानी को लेकर सरकार पर बोले गए हमले वाले भाषण के कुछ हिस्सों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। जिसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष समेत पूरी पार्टी एक बार फिर सरकार पर हमलावर हो गई और इस तरह से बयानों को हटाने की कार्यवाही को लोकतंत्र की हत्या बता दिया। अपने भाषण के हटाए जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आज राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए उनके भाषण के अंश संसद के रिकॉर्ड से क्यों हटाए गए हैं? खरगे ने कहा कि मुझे नहीं लगता, मेरे भाषण में कुछ भी असंसदीय अथवा किसी पर आरोप लगाने वाला था। खरगे ने कहा कि कुछ शब्दों को गलत अर्थ में लिया गया। उन्होंने सभापति से पूछा कि अगर आपको कोई संदेह था, तो आप किन्हीं और शब्दों में कह सकते थे, लेकिन आपने मेरे शब्दों को छह जगह से हटा दिए जाने के लिए कहा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और नरसिम्हा राव के एक वाकये की याद दिलाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वाजपेयी साहब ने नरसिम्हा राव जी के खिलाफ एक शब्द इस्तेमाल किया था और वह अब तक कार्यवाही में दर्ज है। तो आखिर मेरे भाषण के कुछ अंशों को क्यों हटाया गया। फिलहाल अपने दोनों नेताओं के भाषण के अंशों को सदन के रिकॉर्ड से हटाने को लेकर कांग्रेस ने दोनों सदनों में हंगामा किया और इसे सरकार द्वारा लोकसतंत्र की हत्या करार दिया। वहीं पीएम मोदी द्वारा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और अडानी को लेकर पूछे गए राहुल के सवालों के जवाब न देने को लेकर भी कांग्रेस ने कहा कि आखिर प्रधानमंत्री जी इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? कब तक अपने दोस्त को बचाएंगे। फिलहाल एक ओर जहां कांग्रेस इन दोनों मुद्दों को लेकर हंगामा कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को गिनाकर असल मुद्दे से किनारे काटते दिख रहे हैं।

गांधी के साधारण से सावालों के जवाब देने से क्यों बच रहे हैं।

वहीं कांग्रेस ने सदन के रिकॉर्ड से राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण के हिस्सों को हटाने को लेकर भी दोनों सदनों में हंगामा किया। राहुल गांधी ने भी अपने बयान के कुछ हिस्से को हटाने पर कहा कि आखिर मेरे शब्द सदन के रिकॉर्ड से क्यों हटाए गए? क्या सच बोलना भी अब गुनाह है? तो वहीं आज खरगे के बयान के भी कुछ हिस्से को हटाने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राज्यसभा के सभापति व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से सवाल किया कि उनके बयान को क्यों हटाया गया? खरगे ने कहा कि उनके बयान में कुछ भी असंसदीय नहीं था। अगर सभापति आपको किसी शब्द पर संदेह था, तो आपको मुझसे पूछ लेना चाहिए था या बयान हटाने से पहले मुझे जानकारी देनी चाहिए थी। राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष खरगे के बयानों को सदन की कार्यवाही से हटाने पर कांग्रेस ने भाजपा पर लोकतंत्र को दफन करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अब विपक्ष के बयानों पर सेंसर लगाना चाहती है।

अखिलेश यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर कसा तंज

जनता की गाढ़ी कमाई लुटा रही भाजपा

» सरकार बताए कितने बेरोजगारों को दिये रोजगार : सपा अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार जनता को राहत देने के बजाय उसे भटकाने के लिए रोज नए नए मुद्दों की तलाश में माहिर है। इन दिनों भाजपा सरकार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और जी-20 के कार्यक्रमों को लेकर जनता की गाढ़ी कमाई दोनों हाथों से लुटा रही है।

सपा अध्यक्ष ने एक बयान में क हा कि 20 लाख करोड़ इन्वेस्टमेंट समिट में लाए जाने की चर्चा है। पहले भी भाजपा सरकार ने डिफेंस एक्सपो के नाम पर बुंदेलखंड में मिसाइल और बम बनाने की बात कहीं थी। अभी तक वह धरातल पर नहीं उतरे। भाजपा बताए कितने बेरोजगारों को रोजगार दे पाई? उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों को लुभाने और जनता को चकाचौंध से भ्रमित करने पर करोड़ों का अपव्यय किया जा रहा है। विज्ञापन, सजावट, खानपान और स्वागत सत्कार के तमाम खर्च जोड़ लिए जाए तो शायद उतना तो निवेश भी नहीं आने वाला है, जितना निवेशक समिट में खर्च हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी खर्च पर पार्कों में, डिवाइडरों पर और सड़कों के किनारे मौसमी फूल खिल रहे हैं। लखनऊ में दिखावटी सजावट में पूरी सरकार के अधिकारी रात दिन जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा, हकीकत में निवेश के नाम पर राज्य के साथ धोखा है।

विस में अखिलेश के बगल में बैठेंगे शिवपाल

सपा प्रमुख चाचा को दे सकते हैं आजम खां की सीट

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जीत के बाद एकजुट हुआ सैफई कुनबा अब पार्टी को मजबूत करने में जुट गया है। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हुए उपचुनाव में दूर हुई चाचा-भतीजे की तल्खी के बाद सपा अध्यक्ष ने चाचा शिवपाल यादव को हाल ही में राष्ट्रीय महासचिव बनाया था। अब उन्हें विधानसभा में अपने बगल की सीट पर बैठाने की तैयारी कर रहे हैं। शिवपाल यादव जिले-जिले घूमकर सपा को मजबूत करने के साथ ही भाजपा सरकार पर हमलावर हैं। अब अखिलेश ने अपने चाचा की आवाज विधानसभा में और बुलंद करने के लिए उन्हें आगे की पंक्ति में बैठाने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के अनुसार शिवपाल को आजम खां की सीट मिल सकती है। आजम की सदस्यता रद होने के कारण उनकी सीट रिक्त हो गई है। अखिलेश इससे पहले भी शिवपाल की कुर्सी बदलने को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को पत्र लिख चुके हैं, हालांकि उस समय उन्हें आगे की सीट आवंटित नहीं हो सकी थी। अब पार्टी के लिए आवंटित आगे की सीटों में से अखिलेश अपने चाचा को आजम खां वाली सीट पर बैठा सकते हैं। आगे की सीट में अभी अखिलेश के अलावा अवधेश प्रसाद और लालजी वर्मा भी बैठते हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय व ओम प्रकाश दूसरी पंक्ति में बैठते हैं।

सपा केवल अपराधियों के भरोसे : केशव प्रसाद मौर्य

» स्वामी प्रसाद मौर्य की कोई हैसियत नहीं: डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। विकास परियोजनाओं की समीक्षा और भाजपा कार्यकर्ताओं संग बैठक के लिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गाजीपुर पहुंचे। मीडिया से बातचीत में डिप्टी सीएम ने समाजवादी पार्टी, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और स्वामी प्रसाद मौर्य को निशाने पर लिया। श्री रामचरित मानस की कुछ चौपाइयों पर सवाल उठाने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य के बारे में कहा कि उनकी कोई हैसियत नहीं है। वो जो कर रहे हैं वो अखिलेश यादव और सैफई के इशारे पर कर रहे हैं।

केशव प्रसाद ने कहा कि समाज की एकता से घबराकर ऐसा किया जा रहा है। ये लोग नहीं चाहते हैं कि गरीब का पक्का घर हो, शौचालय, राशन, दवा मिले। उन्होंने कहा कि सपा को पिछड़ों की याद आ रही और मुझे निशाना पर रखा जा रहा है। जब उनकी सरकार थी तो विशेष जाति, वर्ग, विशेष जिलों के लोग सरकार में होते थे। कभी सपा सरकार का डाटा सदन में रखकर स्थिति साफ करूंगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि सपा का संदेश कुछ का साथ, गुंडों और अपराधियों के विकास करने का रहा है। वो अपराधियों के भरोसे हैं और हम जनता के भरोसे हैं। सपा सरकार में एसपी और डीएम को उनके गुंडे निर्देशित करते थे। वही लोग आज भागे-भागे फिरते हैं।

कांग्रेस राज में होती थी हिंसा भाजपा ने किया विकास: योगी

» बोले-जितना काम बीते पांच वर्ष में भाजपा सरकार में हुआ, उसका आधा भी कम्युनिस्ट 35 वर्ष में नहीं कर पाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में दो दिवसीय दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विरोधी दलों पर गरजे। यहां के तीन विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के लिए जनसमर्थन जुटाने के क्रम में योगी ने कहा कि कांग्रेस और कम्युनिस्टों ने त्रिपुरा को विकास से वंचित रखा। जितना काम बीते पांच वर्ष में डबल इंजन की भाजपा सरकार में हुआ, उसका आधा भी कम्युनिस्ट 35 वर्ष में नहीं कर पाए।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि यह सिर्फ भाजपा कर सकती है। राम मंदिर का निर्माण पूरा होने पर उन्होंने त्रिपुरावासियों को रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आने के लिए आमंत्रित किया। फटीकराय विधानसभा क्षेत्र के विधायक व भाजपा उम्मीदवार सुधांगसु दास के पक्ष में विजय संकल्प रैली में योगी ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में त्रिपुरा में हिंसा खत्म हुई, धर्मस्थल सुरक्षित हुए। महिलाएं सुरक्षित महसूस करने लगीं, लोगों को बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ मिला। कांग्रेस और कम्युनिस्टों के शासन में गुंडे मकान हड़प लेते और राशन खा जाते थे। कांग्रेस राज में घुसपैठ व हिंसा होती थी। देश की सुरक्षा केवल भाजपा कर सकती है। घुसपैठ करने वालों पर भारत सर्जिकल स्ट्राइक करता है। त्रिपुरा तीनों तरफ से बांग्लादेश से घिरा है। उन्होंने संतों से गांव-गांव जाकर अलख जगाने का आह्वान किया।

पीएम सिर्फ अपने मित्र का दे रहे साथ : राहुल

» कहा-प्रधानमंत्री ने न तो मामले की जांच के आदेश दिये और न ही जवाब दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो वक्तव्य दिया उसमें सच्चाई नहीं थी और वह उद्योगपति गौतम अडानी का बचाव कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न जांच कराएंगे, न जवाब देंगे, बस अपने मित्र का साथ देंगे। कांग्रेस नेता ने संसद भवन में कहा कि भाषण में सच्चाई नहीं है।

अगर (अडानी) मित्र नहीं हैं तो यह कह देते कि जांच होगी। राहुल गांधी ने कहा, शेल कंपनियां और बेनामी संपत्तियां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय हैं। भारत के बुनियादी ढांचे से जुड़ा विषय हैं। ये बहुत बड़ा घपला है। इस बारे में प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री उनका (अडानी) का बचाव कर रहे हैं। मैं समझता हूं। इसका कारण है। मोदी के भाषण के बाद राहुल ने संसद के बाहर कहा- उनके बयान से समझ आ गया है कि वे अडाणी को बचा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने एक जवाब नहीं दिया। मैंने यही पूछा है कि अडाणीजी आपके साथ कितनी बार गए हैं। कितनी बार मिले हैं। दरअसल, राहुल ने एक दिन पहले ही अडाणी और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्ते को लेकर संसद में सवाल पूछे थे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ध्यान भटकाओ, बदनाम करो, इनकार करो। यही प्रधानमंत्री की शैली है जो संसद में उनके तथाकथित जवाब में नजर आई। जयराम रमेश ने कहा कि अपने पसंददीदा कारोबारी अडानी और उनके घोटालों के बारे में एक शब्द भी नहीं बोला।

पीएम मोदी बोले-यूपीए ने मौके मुसीबत में बदले

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष की एकता और राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पर भी तंज कसा। मोदी ने कहा- यूपीए के 10 साल में सबसे ज्यादा घोटाले हुए। 2004 से 2014 तक यूपीए ने हर मौके को मुसीबत में बदल दिया। पिछली शताब्दी में मैं भी जम्मू-कश्मीर में यात्रा लेकर गया था और लाल चौक में तिरंगा फहराने का संकल्प लेकर गया था।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रपति व पीएम को लिख पत्र

रामचरितमानस की कुछ चौपाइयां हटाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामचरितमानस की चौपाइयों पर टिप्पणी कर चौतरफा घिरे सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने फिर इस मुद्दे को गरमाने का प्रयास किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर फिर से रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों को हटाने की मांग की है।

मौर्य ने मोदी से कहा कि आपने भी वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव में 'नीच' होने के, अपमान का जिक्र सार्वजनिक सभाओं में किया था। आपने कहा था कि मैं पिछड़ी जाति में पैदा हुआ हूं इसलिए पार्टी विशेष के लोग मुझे नीच कहते हैं। जब आप जैसे शीर्षस्थ नेताओं के साथ हो सकता है तो प्रतिदिन, प्रतिक्षण तुलसीदास रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों से महिलाओं व शूद्रों में आने वाले आदिवासियों, दलितों व पिछड़ों को सामाजिक अपमान का दंश झेलना पड़ता है। ऐसे में रामचरितमानस के आपत्तिजनक अंश हटाए जाए या फिर उनमें संशोधन किया जाए। अब उन्होंने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर फिर इस मुद्दे को धार देने की कोशिश की है।

जातीय जनगणना और रामचरितमानस विवाद पर होगा यूपी के बजट सत्र में हंगामा

» अखिलेय यादव के नेतृत्व में सपा करेगी सरकार का घेराव

» 2024 को साधने की तैयारी में समाजवादी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संसद के बजट सत्र में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और जेपीसी मांग को लेकर लगातार सरकार और विपक्ष में हंगामा चल रहा है। बजट सत्र के 8 दिन बीत जाने के बाद भी विपक्ष लगातार हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर ही सरकार को घेर रहा है और इस मुद्दे को लेकर जेपीसी की मांग कर रहा है। वहीं 20 फरवरी से उत्तर प्रदेश में भी विधानमंडल का बजट सत्र प्रस्तावित है। ऐसे में यहां भी ऐसे कुछ मुद्दे हैं, जिन पर बजट सत्र में सदन में जमकर हंगामा होने के आसार हैं। ऐसी उम्मीद लगाई जा रही है कि यूपी के विधानमंडल के बजट सत्र में जातीय जनगणना और रामचरितमानस जैसे मुद्दों पर सदन में जमकर हंगामा देखने को मिल सकता है।

विपक्ष जहां जातीय जनगणना के मुद्दे को उठाएगा, तो वहीं प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों को लेकर उठाई गई आपत्ति पर भी सरकार और विपक्ष के बीच हंगामे के चलते सदन के अखाड़े में तब्दील होने की पूरी उम्मीद है। एक ओर सरकार जहां निवेश की उपलब्धियों व बजट के जरिए नई घोषणाओं पर फोकस करेगी, तो वहीं प्रमुख विपक्ष के रूप में मौजूद सपा समेत कई विपक्षी दल सदन के मंच से जातीय जनगणना के मुद्दे पर सरकार को दबाव में लेने की रणनीति बना रहे हैं। उम्मीद है सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद इस मुद्दे पर सदन में अगुवाई करेंगे। विधानमंडल के बजट सत्र के ठीक पहले यूपी में दो मेगा इवेंट होने जा रहे हैं। 10 से 12 फरवरी तक राजधानी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट होगी, जिसके लिए करीब 21 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिलने का दावा सरकार कर रही है। वहीं, 13 से 15 फरवरी तक जी-20 से जुड़ी बैठक की मेजबानी भी लखनऊ करेगा। ऐसे में बजट सत्र को सरकार अपनी उपलब्धियों के शोकेस के तौर पर भी इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। सपा की कोशिश है कि इस मंच से अपने चुनावी अजेंडे को धार दिया जा सके।

विधायक निधि पर भी हो सकता है फैसला

उत्तर प्रदेश विधानमंडल का यह बजट सत्र विधायकों की निधि सांसदों के बराबर, यानी पांच करोड़ रुपये हो जाने की उम्मीद पूरी करने वाला होगा। हालांकि, पिछले साल के ही बजट सत्र में विधायक निधि पांच करोड़ रुपये किए जाने की घोषणा हो चुकी थी, लेकिन विधायकों को इसका लाभ नहीं मिल पाया था। बजट पास होने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधायक निधि बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये किए जाने की घोषणा की थी। इस वजह से बजट में इस रकम का प्रावधान नहीं हो सका था। ऐसे में पहली किस्त तो पुरानी व्यवस्था के तहत ही जारी करना ग्राम्य विकास विभाग की मजबूरी थी। लेकिन अनुपूरक से पहले ही अक्टूबर में दूसरी किस्त भी जारी कर दी गई थी, जिसकी वजह से कुल तीन करोड़ रुपये ही जारी हुए थे। सूत्र के मुताबिक, तब यह भी इंतजार किया जा रहा था कि अगर अनुपूरक बजट में विधायक निधि मद में अतिरिक्त रकम मिल जाती है तो उसे अतिरिक्त रकम के तौर पर जारी कर दिया जाएगा। लेकिन अनुपूरक में भी अतिरिक्त रकम नहीं मिली तो यह वित्तीय वर्ष तीन करोड़ रुपये की ही विधायक निधि के साथ ही रह गया। पिछली बार की घोषणा के अनुरूप इस बार ग्राम्य विकास विभाग ने अतिरिक्त बजट की मांग की है। अगर यह मांग स्वीकार कर ली जाती है तो विधायकों को सांसदों के बराबर पांच करोड़ रुपये की विधायक निधि मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा।

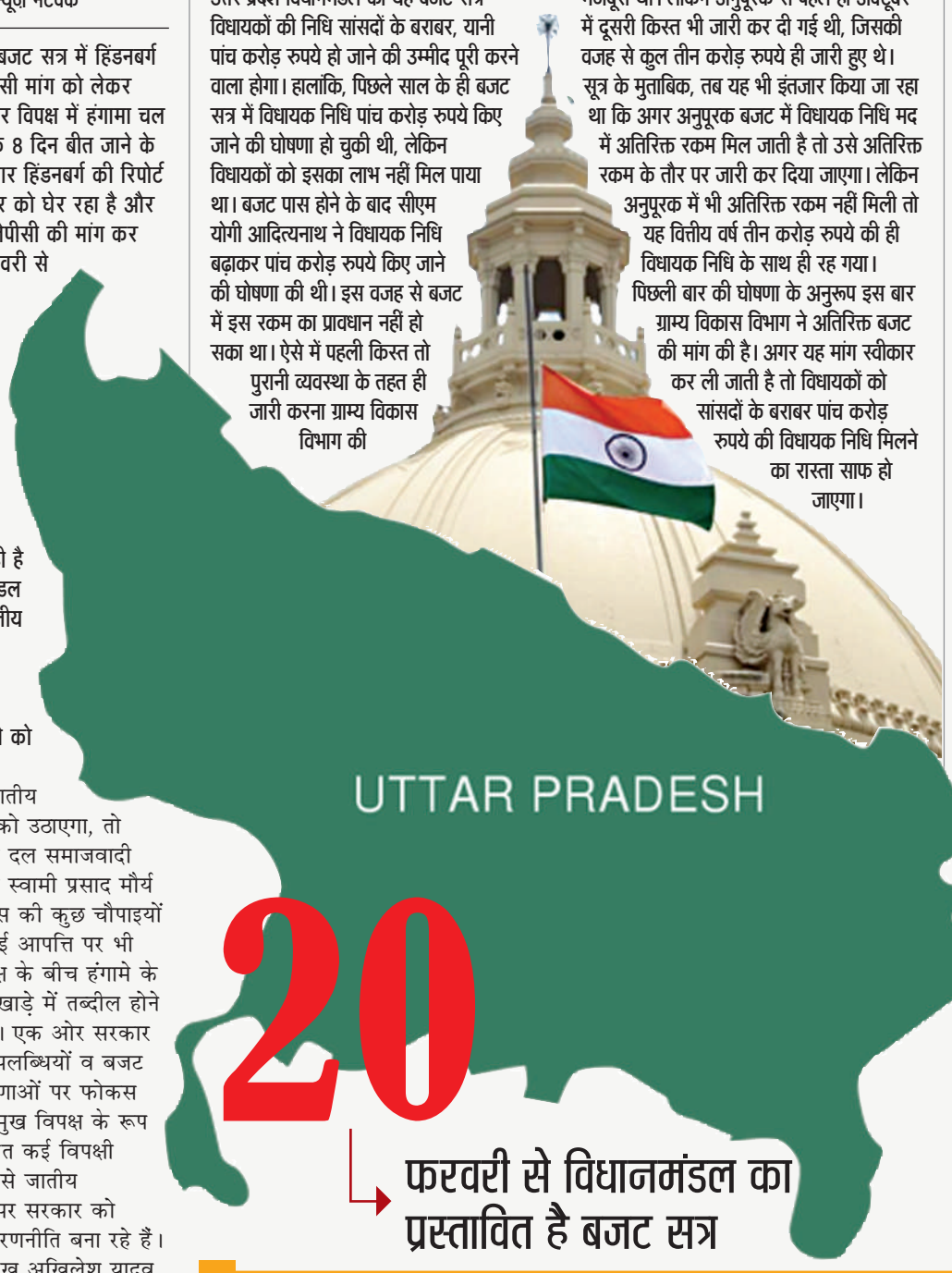

20
फरवरी से विधानमंडल का प्रस्तावित है बजट सत्र

रामचरितमानस के सहारे जातीय जनगणना के मुद्दे को उठाएगी सपा

सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरितमानस को लेकर की गई टिप्पणियों से उठे विवाद के तार को सपा जातीय जनगणना से जोड़ने की कोशिश करेगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव खुद यह कह चुके हैं कि वह सदन में सरकार से पूछेंगे कि क्या वह शूद्र हैं? समाजवादी पार्टी 2024 को ध्यान में रखते हुए एम-वाय यानी कि मुस्लिम और यादव वोट बैंक के साथ गैर-यादव ओबीसी व दलित वोटरों को जोड़ने की भी कवायद में जुटी है। ऐसे में सपा इस मुद्दे को पूरे गर्मजोशी के साथ सदन में उठाने की तैयारी कर रही है। जातीय जनगणना के सवाल को सपा जमीन पर उतारने में भी लगी है। अखिलेश यादव लगातार अलग-अलग जिलों के दौरे परे हैं। वहां भी वह सार्वजनिक मंचों से जनगणना व भेदभाव के सवालों को लगातार उठा रहे हैं। 9 और 10 फरवरी को वह गाजीपुर, बलिया व वाराणसी के दौरे पर हैं। यानी जब पीएम नरेंद्र मोदी लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन कर रहे होंगे, उस समय अखिलेश उनके संसदीय क्षेत्र में सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। वहीं, सपा के ओबीसी प्रकोष्ठ ने भी जिले स्तर पर जातीय जनगणना की मांग को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा व अभियान के कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया है। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजपाल कश्यप ने बताया कि बुधवार को हरदोई से इसकी शुरुआत हो चुकी है।

निधि की रकम को बढ़ाने के लिए साल भर चक्कर लगाते रहे विधायक

ज्ञात हो कि विधायक निधि विधानमंडल क्षेत्रों में विकास कार्य करवाने के लिए दी जाती है। इसे साल में बराबर दो किस्तों में छह-छह महीने के अंतराल पर जारी किया जाता है। निधि के तहत हो सकने वाले काम के मानक तय हैं, इसमें जरूरतमंदों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता भी दिए जाने का प्रावधान है। विधानसभा क्षेत्र के विधायक इस रकम का इस्तेमाल अपने विधानसभा क्षेत्र में ही कर सकते हैं। जबकि विधायकों द्वारा चुने जाने वाले विधान परिषद सदस्य पूरे प्रदेश में इस रकम का इस्तेमाल विकास कार्यों के लिए कर सकते हैं। घोषणा के बाद भी विधायक निधि की रकम न बढ़ने की वजह से पूरे साल भर विधायक खासे परेशान रहे। साल भर इस रकम को पांच करोड़ करवाने के लिए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के पास चक्कर लगाते रहे, लेकिन उनकी बात बन नहीं सकी थी। अब जबकि इस साल का बजट सत्र नजदीक आ रहा है, तो एक बार फिर विधायक वित्त मंत्री के पास बार-बार सिफारिशें लेकर पहुंच रहे हैं ताकि घोषणा के मुताबिक पांच करोड़ रुपये की विधायक निधि का लाभ उन्हें मिल सके।

विधानसभा में बढ़ेगा चाचा शिवपाल का कद

दूसरी ओर इस सत्र में ऐसी उम्मीद है कि चाच-भतीजे यानी कि शिवपाल यादव के सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ आने के बाद और नई कार्यकारिणी में उनको सपा महासचिव बनाए जाने के बाद अब विधानसभा के अंदर भी उनका कद बड़ा होगा। विधानसभा के अंदर उन्हें फ्रंट सीट पर बैठाने पर पार्टी में सहमति बन चुकी है। यह सपा अध्यक्ष अखिलेश की ओर से उन्हें मैनपुरी लोकसभा सीट पर जीत का रिटर्न गिफ्ट माना जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मंगलवार शाम अचानक चाचा शिवपाल सिंह यादव के घर भी पहुंचे और दोनों के बीच करीब 45 मिनट तक संगठनात्मक मुद्दों पर बात हुई। सूत्रों के मुताबिक, मुलाकात के दौरान शिवपाल के साथियों को संगठन में समायोजित करने पर भी बात हुई। माना जा रहा है कि सपा प्रदेश में नए सिरे से आंदोलन शुरू करेगी। पार्टी से दूर हुए कई नेताओं की घर वापसी भी कराई जाएगी। पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद भी शिवपाल अब तक कार्यालय नहीं जाते हैं। वे पहले की तरह अपने पुराने कार्यालय में ही कार्यकर्ताओं से मिलते हैं। ऐसे में अखिलेश उनके घर पहुंचे। दोनों के बीच सियासी हालात और प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर मंथन हुआ। सूत्रों का कहना है कि शिवपाल ने प्रसपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी में रहे कुछ लोगों को समायोजित करने पर जोर दिया है। साथ ही पार्टी की सक्रियता के लिए नए सिरे से प्रदेश में आंदोलन शुरू करने की जरूरत बताई। बताया कि हर जगह पार्टी के नए-पुराने कार्यकर्ता तैयार बैठे हैं। उन्हें सक्रिय करने की जरूरत है।

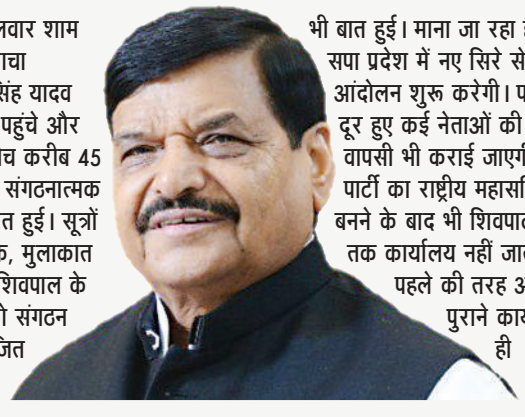

जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करेंगे शिवपाल

ऐसे में माना जा रहा है कि प्रदेश में जल्द ही समाजवादी पार्टी जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की कवायद शुरू करेगी। विभिन्न मुद्दों पर जनांदोलन भी शुरू होगा। इसकी अगुवाई शिवपाल करते दिखेंगे। सूत्रों का कहना है कि पार्टी के कई पुराने नेता छिटक चुके हैं। इसमें कुछ ने दूसरे दलों की सदस्यता ले ली है। इन नेताओं को फिर से जोड़ने पर भी चर्चा हुई। सूत्रों का यह भी कहना है कि मार्च तक कई नेताओं की घर वापसी हो सकती है। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जम्मू-कश्मीर चुनाव पर केंद्र सरकार की मंशा क्या है?

इस बार जम्मू और कश्मीर में असेंबली चुनाव बदले-बदले माहौल में होगा। पूर्ण राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद यहां कोई विधानसभा चुनाव नहीं हुआ है। परिसीमन के बाद जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी दोनों में ही सियासी समीकरण बदल गए हैं। आखिरी बार जम्मू-कश्मीर में 2014 में विधानसभा चुनाव हुआ था, जब लद्दाख भी उसका हिस्सा था।

जम्मू कश्मीर में इस साल गर्मियों में विधानसभा चुनाव होगा या चुनाव टला रहेगा? यह लाख टके का सवाल है, जिसका जवाब कायदे से चुनाव आयोग के पास होना चाहिए लेकिन ऐसा लग नहीं रहा है कि उसके पास जवाब है। चुनाव का फैसला आयोग को नहीं, बल्कि सरकार को करना है। इसकी वजह यह है कि सुरक्षा कारण बता कर सरकार चुनाव टाले रह सकती है। चुनाव से जुड़ी लगभग सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। सीटों के आरक्षण का काम हो गया है। अब मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम हो रहा है और चुनाव आयोग आयोग चाहे तो अगले कुछ दिन में किसी भी समय चुनाव की घोषणा कर सकता है। इस बार जम्मू और कश्मीर में असेंबली चुनाव बदले-बदले माहौल में होगा। पूर्ण राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद यहां कोई विधानसभा चुनाव नहीं हुआ है। परिसीमन के बाद जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी दोनों में ही सियासी समीकरण बदल गए हैं। आखिरी बार जम्मू-कश्मीर में 2014 में विधानसभा चुनाव हुआ था, जब लद्दाख भी उसका हिस्सा था। बीते 3 साल में जम्मू और कश्मीर का भौगौलिक नक्शा तो बदला ही है, निर्वाचन क्षेत्रों की तस्वीर भी बदल गई है। सत्ता के सारे समीकरण इस बार नए होंगे। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से ये पहला विधानसभा चुनाव होगा।

भाजपा के लिए आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा का चुनाव जीतना साख का सवाल होगा। भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का नक्शा बदल डाला था। आगामी चुनाव नतीजों को सियासी बहस में अनुच्छेद 370 हटाने और लद्दाख को अलग कर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले पर जम्मू-कश्मीर का जनादेश माना जाएगा। इस लिहाज से भाजपा चाहेगी कि जम्मू-कश्मीर की सत्ता को वो हासिल करे। भाजपा के साथ ही पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, और कांग्रेस भी जम्मू-कश्मीर के सियासी दंगल को जीतने के लिए तैयारियों में जुटी हैं। सभी दलों की सक्रियता काफी बढ़ गई है। कांग्रेस को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से फायदा मिलने की आस है। एक तरफ कांग्रेस की जड़ मजबूत हुई है और उसे लोगों का समर्थन मिला है तो दूसरी ओर राज्य की प्रादेशिक पार्टियों का समर्थन भी उसको मिला है। ऐसे में अगर विधानसभा चुनाव की घोषणा होती है तो जम्मू क्षेत्र में भी भाजपा के लिए लड़ाई बहुत आसान नहीं रह जाएगी। अगर कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी तीनों मिल कर लड़ते हैं और साथ में सीपीआई भी शामिल रहती है तो गठबंधन का पलड़ा भारी रहेगा। जबकि भाजपा को हर हाल में चुनाव जीतना है और हिंदू मुख्यमंत्री बनाना है। अगर उसे लगता है कि ऐसा नहीं हो पाएगा तो तय मानें कि चुनाव टला रहेगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्राकृतिक खेती पद्धति से जुड़ें किसान

सद्भद्भस

भारत की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खेती पर आश्रित है। खाद्यान्न उत्पादन में भारत दुनिया में दूसरे पायदान पर है। आज भारत दुनियाभर में खाद्यान्न का व्यापार करने वाला अहम देश बन कर उभरा है। नि:संदेह इस स्थिति में हरित क्रांति की बड़ी भूमिका है, लेकिन उसी हरित क्रांति ने भारत की कृषि प्रणाली को छिन्न-भिन्न कर दिया है। इसी क्रांति के कारण आज भारत की खेती बड़े पूंजी के दबाव में है तथा तकनीक की गुलाम हो चुकी है। इस हरित क्रांति ने खेती की लागत को कई गुना बढ़ा दिया है। किसानों को बीज के लिए मॉनसेंटों व कार्गिल जैसी दैत्याकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर आश्रित रहना पड़ रहा है। खेती की उत्तर-आधुनिक प्रणाली ने किसानों को बड़े पैमाने पर रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया।

आंकड़े बताते हैं कि 2020-21 में महाराष्ट्र में 13,242 टन, उत्तर प्रदेश में 11,557 टन, पंजाब में 5,193 टन एवं हरियाणा में 4,050 टन कीटनाशकों का प्रयोग किया गया। एक अन्य आंकड़े के अनुसार, देश में 2015-16 में कीटनाशी दवाओं की खपत 56,720 टन थी, जो 2019-20 में 61,720 टन हो गयी। यही हाल उर्वरकों के खपत का भी है। वर्ष 2015-16 में उर्वरक की खपत 133.44 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर थी, जो 2019-20 में 135.76 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गयी। इस कारण न केवल हमारे किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है, अपितु पूरे गंगा-ब्रह्मपुत्र की मैदानी मिट्टी प्रदूषित भी हो चुकी है। नदी, तालाब, बाहरी और भूमिगत जल में आर्सेनिक की मात्रा इतनी अधिक हो चुकी है कि उसका उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो गया है। पंजाब, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र के एक बड़े हिस्से में कैंसर महामारी बन चुका है। भारत का हर तीसरा व्यक्ति पेट की बीमारी से परेशान है। जानकारों की मानें, तो हृदय रोग, रक्तचाप, डायबिटीज आदि के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण यही है। खेती ऐसे चौराहे पर आ गयी है, जहां से आगे विनाश के कई रास्ते खुल रहे हैं, लेकिन इस आधुनिक उहापोह के घटाटोप में कुछ संभावनाएं भी परिलक्षित हो रही हैं। उन संभावनाओं में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती भी हैं।

भारतीय आदि सनातन चिंतन में धरती को मां का दर्जा प्राप्त है। मानवता की वर्तमान पीढ़ी ने अपनी मां के साथ घोर अन्याय किया है। लालच में हमने सोना उगलने वाली पंजाब की धरती को नशाखोरों की जमीन बना दिया। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्तमान खेती के तरीकों को बारीकियों से समझते हुए एवं भविष्य को मध्य में रख प्राकृतिक खेती

विस्तार योजना की जो रणनीति बनायी है, वह धरती मां को संरक्षित व संवर्धित करने में बड़ी भूमिका निभायेगी। वैसे भारत में और खासतौर झारखंड जैसे आदिवासी-बहुल राज्यों में ऐसी खेती परंपरा के साथ जुड़ी रही है, लेकिन वर्तमान दौर में इसे आधुनिक सोच के साथ फिर से दुनिया के समक्ष लाने का श्रेय जापानी चिंतक, जो पेशे से किसान हैं, मासनोबू फुकुओका को जाता है। प्राकृतिक खेती में जुताई, गुड़ाई, उर्वरक का उपयोग, कीटनाशक का उपयोग, निराई आदि का उपयोग नहीं किया जाता है। प्राकृतिक खेती में किसी भी प्रकार के रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशी दवाओं का प्रयोग नहीं होता है। ऐसी खेती के लिए देशी गाय का होना आवश्यक होता है। जानकारों की मानें, तो एक देशी गाय एक महीने में लगभग 30 एकड़ की खेती की खुराक उपलब्ध करा देती है। इस पद्धति की खेती में पानी की भी बचत होती है। जमीन में पानी सोखने की क्षमता बढ़ने लगती है, जिस कारण मिट्टी में सकारात्मक शक्ति का संचार होने लगता है। परंपरागत कृषि प्रणाली में जीवाणुरोधक क्षमता का खजाना छिपा है। प्राकृतिक कृषि पद्धति में सूखे कचरे को गोबर में मिलाकर कंपोस्ट खाद तैयार करने के ग्रामीण स्वच्छता के संकल्प को भी नया आयाम मिल सकेगा। नीम व अनुप्रयोगी राख को रासायनिक कीटनाशकों के विकल्पों के तौर पर शामिल कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। मिट्टी की मृदा शक्ति को संरक्षित रखने व इसे अम्लीय व क्षारीय के साथ-साथ प्रदूषित होने से बचाने की जिम्मेदारी सबकी है। झारखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में आज भी जनजातीय किसान रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशी दवाओं का प्रयोग नहीं करते हैं। यदि आदिवासी पद्धति का बारीकी से अध्ययन और दस्तावेजीकरण हो, तो इसका लाभ अन्य किसानों को भी मिल सकता है। भारत ऋषि व कृषि प्रधान देश रहा है। प्राकृतिक खेती इस देश की आत्मा है।

इसे महत्व दिया जाना उतना ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए आत्मा का महत्व आवश्यक है। झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर के राज्य, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख एवं जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के जनजातीय क्षेत्रों के अलावा पंजाब के उमेंद्र दत्त, पद्मश्री सुभाष पालेकर, गुजरात के राज्यपाल देवव्रत आदि इस खेती को अपनाकर किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। यदि इस खेती को बल मिला, तो देश कृषि संकट की विभीषिका का समाधान खोजने में सफल हो सकता है।

किशोरों के लिये सुरक्षित हो इंटरनेट

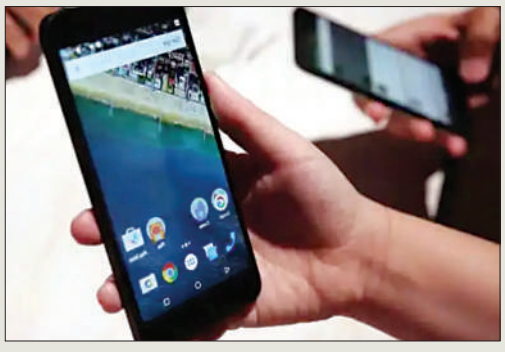

सद्भद्भस

वर्ष 2023 में इंटरनेट सुरक्षा दिवस सात फरवरी को लगभग 200 देशों में मनाया गया है। इंटरनेट सुरक्षा दिवस पहली बार 2004 में सुरक्षित इंटरनेट कार्य योजना के तहत यूरोपीय संघ द्वारा वित्तपोषित से फबॉर्डर्स परियोजना की एक पहल के रूप में मनाया गया था। वर्ष 2005 में सुरक्षित इंटरनेट केंद्रों के नेटवर्क इंसेफ द्वारा इंटरनेट सुरक्षा दिवस मनाया गया। पिछले 19 वर्षों में इंटरनेट सुरक्षा दिवस अपने पारंपरिक भौगोलिक क्षेत्र से निकल कर सभी महाद्वीपों के करोड़ो इंटरनेट उपभोक्ता तक पहुंच चुका है। साइबर बुलिंग, सोशल नेटवर्किंग से लेकर डिजिटल पहचान तक प्रत्येक वर्ष इंटरनेट सुरक्षा दिवस का उद्देश्य उभरते हुए ऑनलाइन मुद्दों और इंटरनेट संबंधित भ्रांतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

वर्ष 2023 के इंटरनेट सुरक्षा दिवस का विषय 'वांट टू टॉक अबाउट इट' है। इस वर्ष के इंटरनेट सुरक्षा दिवस का मकसद तीन ज्वलंत सवालों के उत्तर ढूंढना है। पहला, बच्चों और युवाओं के लिए वास्तव में क्या मायने रखता है? दूसरा, वे क्या बदलाव देखना चाहते हैं? तीसरा, बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करने के लिए हम सब मिलकर कैसे काम कर सकते हैं? संक्षेप में कहें, तो बच्चों और युवा इंटरनेट उपभोक्ताओं के जीवन से जुड़े पहलुओं के बारे में बातचीत के लिए ऑनलाइन मंच बनाना। हर आयु वर्ग के लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करने लगे हैं, जिसमें बच्चे और नव-युवा उपभोक्ताओं का अनुपात भी बढ़ रहा है। इंटरनेट सूचना का एक समृद्ध भंडार है, जो अक्सर बच्चों और अवयस्क उपभोक्ताओं के लिये अभिशाप भी साबित होता है। छोटी उम्र के उपभोक्ताओं के खिलाफ साइबर उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, ब्रिटेन में 45 प्रतिशत से अधिक और अमेरिका में 34 प्रतिशत बच्चे कम-से-कम एक बार साइबर बुलिंग का शिकार बन चुके हैं। विकसित देशों में बच्चों को अमूमन 11वें जन्मदिन से पहले ही साइबर अपराधों का सामना करना पड़ता है। वहां बच्चों को कम उम्र में ही आधुनिक डिजिटल उपकरणों को उपयोग करने का मौका मिल जाता है।

यूनान, फ्रांस और हंगरी जैसे कई देशों में संपादित शोध 13-15 के आयु वर्ग को सबसे असुरक्षित अवधि के रूप में चिह्नित करते हैं। हमारे देश भारत में भी किशोर उपभोक्ताओं के खिलाफ साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं। वर्ष 2022 में भारत में साइबर बुलिंग के सबसे ज्यादा मामले सामने आये, 38 प्रतिशत से अधिक भारतीय माता-पिता ने उनके बच्चों के खिलाफ ऑनलाइन प्रताड़ना की पुष्टि की। किसी व्यक्ति या समूह को धमकाने, गाली देने या उस पर हावी होने के इरादे से तात्कालिक संदेशन (इंस्टेंट मैसेजिंग, सोशल मीडिया, ई-मेल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग साइबर बुलिंग है। साइबर बुलिंग और साइबर स्टॉकिंग एक तरह का ही अपराध होता है, जिनका मकसद साइबर उत्पीड़न होता है। दोनों प्रकार के अपराधों का मूल अंतर अपराध करने वाले की उम्र है।

साइबर बुलिंग या एंटी-बुलिंग जहां किशोरों द्वारा किया जाता है, वहीं साइबर स्टॉकिंग वयस्कों द्वारा किया जाता है। साइबर बुलिंग के कुछ प्रमुख स्वरूप हैं- किसी को अश्लील मैसेज भेजना, किसी के सेल फोन पर मजाक भेजना, किसी के गेमिंग या सोशल नेटवर्किंग प्रोफाइल को हैक करना, किसी ऑनलाइन गेम में किसी के साथ असभ्य या बुरा व्यवहार करना, लोगों के रहस्य को ऑनलाइन उजागर करना या अफवाहें फैलाना, गलत या दूसरों की पहचान इस्तेमाल कर धार्मिक, सामाजिक, आपराधिक या अश्लील संदेशों को फैलाना। शोध के अनुसार, साइबर बुलिंग के शिकार किशोरों में आत्मविश्वास की कमी हो जाती है और आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। बच्चों को कम उम्र से ही जागरूक बनाना चाहिए ताकि वे सतर्क रहें। माता-पिता को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। साइबर बुलिंग की सूचना आधिकारिक संस्थाओं को बिना किसी देरी के दें। इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय गोपनीयता सेटिंग्स का उपयोग करें। सामग्री को निजी रखने के लिए उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करें। व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रखें। पहचान संबंधी विवरण सावधानी से साझा करें। कई बार आस-पड़ोस के लोग भी साइबर प्रताड़ना का काम करते हैं। उनकी शिकायत करें। शिकायत करने के लिए आप पुलिस या अपने राज्य के साइबर सेल से संपर्क कर सकते हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

भारत में साइबर बुलिंग रोकने के लिये विशिष्ट कानून नहीं बने हैं, हालांकि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67, आइपीसी धारा 507, आईटी अधिनियम की धारा 66ई आदि का इस्तेमाल कई बार किया जाता है। स्कूलों, विशेष रूप से बोर्डिंग स्कूलों, में साइबर बुलिंग के मामले बढ़ रहे हैं। इसलिए इंटरनेट सुरक्षा दिवस के विषय पर अमल महत्वपूर्ण है। माता-पिता, शिक्षकों, संबंधियों, सरकार, उद्योग जगत और नीति निर्माताओं को बच्चों और किशोरों की समस्याओं को सुनकर ठोस और सकारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है।

30+ खानपान पर रखें विशेष ध्यान बीमारियों से रहेंगे दूर

आहार और पोषण विशेषज्ञ के मुताबिक, स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार सबसे जरूरी है। इन दिनों लोगों को उम्र से पहले कई तरह की बीमारियां हो रही हैं, इसकी वजह उल्टा सीधा खान पान और गलत लाइफ स्टाइल है। इम्यूनिटी कमजोर होना, जोड़ो में दर्द, हड्डियां कमजोर होना, दिल की बीमारी आदि पोषण न मिल पाने के कारण कम उम्र में ही लोगों को हो रही हैं। हेल्दी रहने के लिए हर उम्र में पौष्टिक आहार का सेवन करना जरुरी हो गया है। खास कर युवा वर्ग और 30 साल से अधिक उम्र की महिलाओं और पुरुषों को अपनी सेहत के प्रति अधिक जागरुक रहना चाहिए। ऐसा करने से आप तमाम तरह की बीमारियों से दूर रहेंगे और जब उम्र अधिक होगी, तब भी आप स्वस्थ और सक्रिय रहेंगे। इसके लिए 30 साल की उम्र से अधिक लोगों को चार चीजों का सेवन करना चाहिए।

प्रतिदिन सुबह की सैर भी जरूरी

सुबह की सैर करने से जीवन शैली से संबंधित कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। (1) इसके अलावा सुबह सुबह घूमने के फायदे में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना भी शामिल है। (2) वहीं देखा जाए, तो सुबह की सैर बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक शारीरिक गतिविधियों में से एक हो सकती है। क्योंकि, चलने के लिए हमें किसी विशेष कौशल, जिम या उपकरण की आवश्यकता नहीं होती है। वहीं सैर करना मध्यम से लेकर फुर्तीली शारीरिक गतिविधियों में शामिल है। इस कारण सुबह की सैर नींद की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ ही याददाश्त और सोचने व सीखने की क्षमता में भी सुधार कर सकती है। इसके अलावा सुबह की सैर चिंता के लक्षणों को भी घटा सकती है। (3) ऐसे में बेहतर स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए सभी को सुबह की सैर को नियमित रूप से अपनाना चाहिए।

ब्रोकली

ब्रोकली सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। ब्रोकली में भरपूर मात्रा में विटामिन और मिनरल्स पाया जाता है। ब्रोकली प्रोटीन की कमी को भी पूरा करता है। इसमें 4.5 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। ब्रोकली खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। इसके साथ ही ब्रोकली इम्युनिटी को भी मजबूत करती है। अगर आप नियमित ब्रोकली का सेवन करते है तो रोगों से लड़ने के लिए आपकी प्रतिरक्षा मजबूत बनती है।

सोयाबीन

सोयाबीन प्रोटीन से भरपूर होता है। मेटाबॉलिक सिस्टम को दुरूस्त रखने के लिए सोयाबीन का सेवन करना चाहिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए सोयाबीन में पाए जाने पोषक तत्व काम आते हैं। 100 ग्राम सोयाबीन में 36.5 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। जिन लोगों में प्रोटीन की कमी है, उन्हें सोयाबीन का सेवन करना चाहिए। प्रतिदिन एक बार सोयाबीन के सेवन आपके शरीर के लिए लाभप्रद है।

हरी मटर व मछली

कहा जाता है कि पत्तेदार सब्जियों में काफी प्रोटीन, आयरन और मिनरल्स होते हैं। इन पत्तेदार सब्जियों में पालक बथुआ, सोया मेथी आदि है लेकिन हरी मटर का सेवन आपको पालक से भी ज्यादा प्रोटीन देता है। मटर में 5 ग्राम प्रोटीन होता है। इतना ही नहीं मटर कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, जिंक, कॉपर, फॉस्फोरस आदि की कमी को भी पूरा करता है। हरी मटर फाइबर से भरपूर फूड है, जो शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाता है। अगर आप मांसाहारी हैं तो मछली का सेवन भी लाभप्रद है। खाने में ऑयली फिश का सेवन करें। मछली में भरपूर प्रोटीन पाया जाता है। 100 ग्राम मछली में 22 ग्राम प्रोटीन होता है जो कि शरीर में जरूरी हार्मोन को बनाती है।

हंसना मना है

मुकेश अंबानी: अगर मैं सुबह से अपनी कार में निकलू तो शाम तक अपनी आधी प्रॉपर्टी भी नहीं देख सकता, संता: हमारे पास भी ऐसी ही खटारा कार थी, बेच दी।

सरदार अपनी बीवी के साथ टैक्सी में बैठा, ड्राइवर ने आईना सेट किया, ये देखते ही सरदार: (गुस्से में) साले मेरी बीवी को देखता है, तु पीछे बैठ टैक्सी मैं चलाऊंगा!

अर्ज किया है, फिजा में महकती शाम हो तुम, प्यार का पहला जाम हो तुम, और क्या कहे जानम तुम्हारे बारे में, खर्चे का दूसरा नाम हो तुम..

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते है, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए.. और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए.. पर होता उसके बिलकुल उलटा है.. भगवान आते नहीं है और, मच्छर है कि जाते नहीं है।

गब्बर: आज मैने बसंती को नहाते वक्त देखा.. वीरू: कुत्ते कमीने.. मैं तेरा खून पि जाऊंगा! गब्बर: रिलॅक्स बेवडे.. मैं नहा रहा था.. बसंती जा रही थी.. जब देखो तब खून पि जाऊंगा।

कहानी | लोमड़ी और अंगूर

एक लोमड़ी बहुत भूखी थी। वह खाने की तलाश में काफी समय तक घूमने के बाद भी उसे खाने को कुछ भी न मिला, तभी उसकी नजर पास के एक बाग पर पड़ी। उस बाग से बड़ी ही मीठी सुगंध आ रही थी। वह तेजी से बाग की ओर अपने कदम बढ़ाने लगी। उसने मन ही मन सोचा कि इस बाग में कुछ तो होगा, जो उसे खाने को मिलेगा। इसी सोच के साथ वह और तेजी से आगे बढ़ने लगी। जैसे ही वह बाग में पहुंची, तो उसने देखा कि बाग तो अंगूर की बेलों से लदा हुआ है। सभी अंगूर पूरी तरह से पक चुके हैं। अंगूरों की महक से उसने इस बात का अंदाजा लगा लिया कि अंगूर कितने रसदार और मीठे होंगे। उसने झट से अंगूरों को लक्ष्य बनाकर एक लंबी छलांग मारी, लेकिन वह अंगूरों तक पहुंच नहीं सकी और धड़ाम से जमीन पर आ गिरी। उसका पहला प्रयास विफल हुआ। उसने सोचा क्यों न फिर से कोशिश की जाए। वह एक बार फिर जोश से उठी और इस बार उसने अपनी पूरी ताकत से पहले से तेज अंगूरों की ओर छलांग लगा दी, लेकिन अफसोस कि उसका यह प्रयास भी बेकार गया। इस बार भी वह अंगूरों तक पहुंचने में नाकामयाब रही, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने खुद से कहा कि अगर दो प्रयास विफल हो गए तो क्या, इस बार तो सफलता मुझे मिलकर ही रहेगी। फिर क्या था, इस बार फिर वह दोगुने जोश के साथ खड़ी हुई। इस बार उसने अब तक की सबसे लंबी छलांग लगाने की कोशिश की। उसने अपने शरीर की सारी ताकत को एकत्र कर एक लंबी दौड़ लगाई। उसे लगा था कि इस बार उसे अंगूर पाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार का प्रयास भी खाली गया। वह जमीन पर आ गिरी। इतने जतन करने के बावजूद वह एक भी अंगूर हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में उसने अंगूर पाने की अपनी आस छोड़ दी और हार मान ली। अपनी विफलता को छिपाने के लिए उसने खुद ही बोला कि अंगूर खट्टे हैं, इसलिए इन्हें मुझे नहीं खाना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपका अधिकतर समय बच्चों के साथ बितेगा। बच्चों के साथ मॉल में शॉपिंग करने भी जा सकते हैं। आज बेरोजगारों को रोजगार मिल सकता है।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। आपका मन मित्रों व स्नेहीजनों के साथ खान-पान, सैर-सपाटे एवं प्रेम सम्बंधों की वजह से प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन
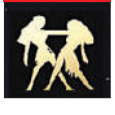
आज के दिन आपको मिश्रित परिणाम मिलेंगे। आपके कार्यस्थल पर उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आप प्रतिद्वंद्वी की गतिविधियों से परेशान हो सकते हैं।

कर्क

आज का दिन सामान्य रहेगा। आज आप दूसरों की राय लेकर ही किसी काम की शुरूआत करें। ऑफिस में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

सिंह

आज का दिन सभी लोगों के लिए आर्थिक रूप से अच्छा है, खासकर व्यापारियों के लिए। आप आपने लक्ष्य से मत भटकिये। परिवार के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरुरत है।

कन्या

आज भाग्य आपका साथ देगा और आपकी जटिल समस्याओं का समाधान हो जाएगा। आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी विकसित सकता है।

तुला

आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। कई तरह की जिम्मेदारियां भी पूरी होंगी। आपको अपनी मेहनत की वजह से सफलता मिलने के योग हैं।

वृश्चिक

आज कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आज आप कोई उत्सव मनाने के लिए तैयार हो जाइए। दोस्त और रिश्तेदार इकट्ठे हो कर खूब मजे करेंगे।

धनु
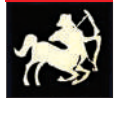
परीक्षा या प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों को सफलता आवश्य प्राप्त होगी। अगर कोर्ट में कोई संपत्ति संबंधी मामला है तो वह निर्णय आपके पक्ष में जाएगा।

मकर

आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आप जिस काम को करें उसे पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। आपसे कई लोग मदद भी ले सकते हैं।

कुम्भ

आज आप मानसिक शान्ति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में सहभागिता करें। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी।

मीन
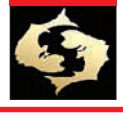
आप गतिशील ऊर्जा और सकारात्मक विचारों से भरे रहेंगे। आप जो भी करेंगे उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और दिन भर व्यस्त रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

करण की वजह से हाथ से निकल गई थी हॉलीवुड की बड़ी फिल्म : रोनित रॉय

रोनित रॉय ने हाल ही द कपिल शर्मा शो में खुलासा किया कि करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर की वजह से उनके हाथ से एक बड़ी हॉलीवुड फिल्म निकल गई थी। दरअसल शो में कपिल ने सबसे पहले कहा कि जो लोग नहीं जानते हैं, उन्हें बता दें कि रोनित को जीरो डार्क थर्टी में एक रोल ऑफर हुआ था, लेकिन उन्होंने इसे एक्सेप्ट नहीं किया था। इसके बाद रोहित ने फैंस को पूरी घटना बताई। रोनित ने कहा, हां, मुझे जीरो डार्क थर्टी फिल्म में बिना किसी ऑडिशन चुना गया था। उन्होंने मुझसे कहा था कि डायरेक्टर कैथरीन बिगेलो ने मेरा काम देखा है और वो मुझे अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहती हैं। ये सुनकर मैं शॉक्ड हो गया था कि एक ऑस्कर विनिंग डायरेक्टर ने मुझे अपनी फिल्म में काम करने के लिए चुना। रोनित रॉय ने आगे कहा, लेकिन उनकी फिल्मों का पहले से ही शेड्यूल बन जाता है और मेरी सारी डेट्स करण जौहर के पास थीं। फिर मैंने करण जौहर और उनकी टीम से डेट्स शिफ्ट करने के लिए कहा क्योंकि ये मेरे लिए लाइफ टाइम अपॉर्चुनिटी थी। लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। करण ने इनकार नहीं किया था, लेकिन जो लोग करण के साथ काम कर रहे थे, उन्होंने डेट्स शिफ्ट करने से मना कर दिया। रोनित कहते हैं, इस वजह से मुझे हॉलीवुड फिल्म ठुकरानी पड़ी और फिर जब मैंने करण जौहर को ये पूछने के लिए फोन किया कि वो स्टूडेंट ऑफ द ईयर की शूटिंग कब शुरू करेंगे, तो उन्होंने बताया कि वो अभी शूट नहीं कर रहे हैं। ये मेरे लिए सबसे तगड़ा झटका था, क्योंकि करण की फिल्म की शूटिंग सही समय पर शुरू नहीं हुई और मैं हॉलीवुड फिल्म में काम भी नहीं कर सका। इसका अफसोस मुझे हमेशा रहेगा।

किच्चा सुदीप की फेवरेट अभिनेत्री हैं काजोल

साल 2022 के दौरान हिंदी और उसके राष्ट्रीय भाषा के दर्ज को लेकर अजय देवगन से भिड़ने के बाद कन्नड़ स्टार किच्चा सुदीप सुर्खियों में थे। बाद में किच्चा ने स्पष्ट कर दिया था कि दोनों स्टार्स के बीच किसी भी तरह का मनमुटाव नहीं है। अब किच्चा सुदीप ने काजोल को अपनी फेवरेट अभिनेत्री बताया और उनके साथ काम करने की इच्छा भी जताई। साथ ही, कहा कि मैं नहीं चाहता कि उनके पति मुझसे नफरत करें।

किच्चा सुदीप से भाषा विवाद को लेकर अजय देवगन के साथ हुई बहस को सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा कि यह मामला अब खत्म हो चुका है। यह सिर्फ नजरिए का खेल है। वहीं, उन्होंने काजोल को अपनी फेवरेट अभिनेत्री बताया। साथ ही, कहा कि मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं, लेकिन यह नहीं चाहता कि उनके पति मुझसे नफरत करें।

उन्होंने आगे कहा, यह किसी भी तरह के विवाद का हिस्सा नहीं है। यह सिर्फ एक उम्मीद है। कल्पना कीजिए कि मैं काजोल के साथ काम कर रहा हूं और अजय वीडियो कॉल पर हर वक्त मुझे घूरते रहें। मैं नहीं चाहता कि ऐसा हर हाल में हो। वैसे अजय भी अब मेरे फेवरेट एक्टर हैं। किच्चा सुदीप से पूछा गया कि क्या ट्विटर विवाद के बाद कभी अजय देवगन से उनकी बातचीत हुई? इस पर उन्होंने कहा, हम सभी अपनी जगह पर ठीक थे, लेकिन आखिर में हमारे पास कोई तलवार नहीं थी, जिससे हम एक-दूसरे के पीछे पड़े हों। वह सिर्फ एक डिबेट थी, जो सार्वजनिक रूप से हुई। वह किसी तरह की लड़ाई नहीं थी। जो कुछ भी हुआ और खत्म हुआ, वह तरीका काफी अच्छा था।

भाषा की बात करें तो हम सभी एक ही भाषा सबसे अच्छी तरह समझ सकते हैं और वह अंग्रेजी है। अगर हमारी मुलाकात होती है तो हम एक साथ शायद ड्रिंक भी करेंगे।

बॉलीवुड | मसाला

कल ओटीटी पर रिलीज होगी 'लव शादी ड्रॉमा'

ओटीटी व्यूवर्स को हर हफ्ते न्यू रिलीज का दिल से इंतजार रहता है कि इस वीक कौन सी वेबसीरीज और मूवीज ओटीटी पर दस्तक देने वाली हैं। ऐसे ही व्यूवर्स के लिए ये हफ्ता बहुत ही जबरदस्त रहने वाला है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस वीक हंसिका मोटवानी की लव शादी ड्रामा से लेकर लव टू हेट यू जैसी मूवीज रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

10 फरवरी को डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली इस वेडिंग डॉक्यूमेंट्री में एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी की शादी के वीडियो और इंटरव्यू को दिखाया जाने वाला है। हंसिका के फैंस इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म की पहली झलक आने के बाद से ही इसका वेट कर रहे हैं। इस अमेरिकन कॉमेडी फिल्म में दो दोस्तों की स्टोरी को दिखाया गया है। व्यूवर्स को इस फिल्म का ओटीटी पर काफी दिनों से इंतजार है। अब इस शानदार मूवी को दर्शकों के लिए 10 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।

क्राइम थ्रिलर मूवीज के शौकीन के लिए इस वीक ये मूवी एक बहुत शानदार फिल्म रहने वाली है। टेन डेज ऑफ ए गुड मैन को ओटीटी व्यूवर्स के लिए नेटफ्लिक्स पर 10 फरवरी को रिलीज किया जाएगा। व्यूवर्स इस फिल्म को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। साउथ कोरियन ड्रामों को पसंद करने वालों के लिए ये ड्रामा बहुत अच्छा ऑप्शन है। इस ड्रामे को ओटीटी व्यूवर्स के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर 10 फरवरी को रिलीज किया जाएगा।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे रहस्यमयी गुफा

इस गुफा में तीन बार ताली बजाने से टपकने लगता है पानी, आज तक नहीं जान पाया कोई

पूरी दुनिया में आज भी ऐसे रहस्य मौजूद हैं जिनके बारे में इंसान तो क्या वैज्ञानिक भी नहीं जान पाए। सदियों से इन रहस्यों से पर्दा नहीं हट पाया। आज हम आपको एक ऐसी गुफा के बारे में बताने जा रहे हैं जो रहस्यों से भरी हुई है। क्योंकि इस गुफा में अगर कोई तीन बार ताली बजाता है और गुफा से अपने आप पानी टपकने लगता है। इस पानी के पटकने का रहस्य क्या है इसके बारे में आज तक कोई नहीं जान पाया।

ये जानकर यकीनन आप सोच में पड़ गए होंगे कि आखिर ऐसा कैसे हो सकता है। लेकिन बात बिल्कुल सही है क्योंकि, ये गुफा हमारे ही देश में है। जो झारखंड के रायगढ़ में स्थित है। जैसे ही इस गुफा में जाकर कोई तीन बात ताली बजाता है। वैसे ही गुफा की छत से पानी बरसने लगता है। बता दें कि ये गुफा झारखंड के रामगढ़ जिले के बडकागांव प्रखंड के आंगो पंचायत के झिकझोर में स्थित है।

ये गुफा हमेशा लोगों के बीच हमेशा कौतूहल का विषय बनी रहती है। इस गुफा को देखकर लोग हैरत में पड़ जाते है। जानकारों

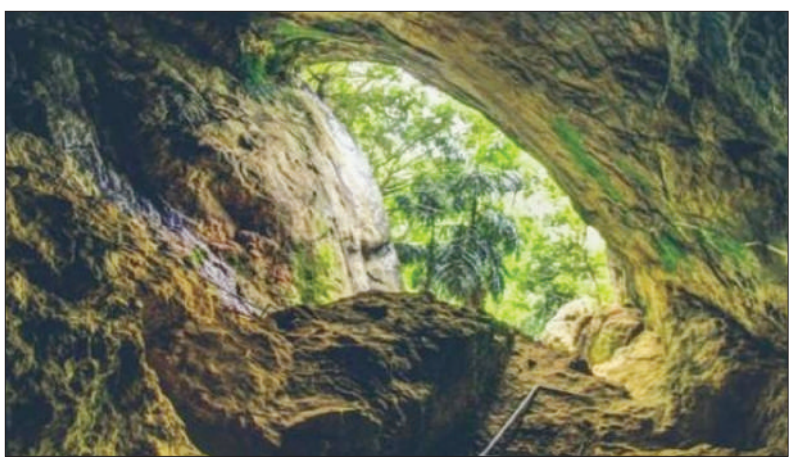

का कहना है कि आवाज गुफा की छत से टकराती है और इससे कंपन पैदा होता है। जिसका परिणाम ये होता है कि छत में चिपका पानी एक-एक बूंद कर टपकने लगता है। हालांकि अभी तक ये पता नहीं चल सका है कि इस पानी का स्रोत कहां है। इसका पता लगाने के लिए काफी कोशिशें भी की गई।

चूंकि आवाज के कारण इस गुफे से पानी टपकने लगता है कि इसलिए इसका नाम 'बरसो पानी' रख दिया गया है। यहां के ग्रामीणों की मांग है कि इसे पर्यटनस्थल का दर्जा मिले। लोगों का कहना है कि पर्यटनस्थल का दर्जा मिलने से यह जगह और विकसित होगा। लोगों को रोजगार मिलेगा।

दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा, ऑडी बीएमडब्ल्यू के बराबर है इसकी कीमत

कीड़े की कीमत करोंड़ों में, यह सुनकर आप हैरान हो रहे होंगे पर यह सौ फीसदी सच है। धरती पर 2 से 3 इंच का एक ऐसा कीड़ा पाया जाता है जिसकी कीमत ऑडी-बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी कारों से भी ज्यादा है। कुछ साल पहले एक जापानी ब्रीडर ने एक कीड़ा 89,000 डॉलर में बेचा था। कहा जाता है कि यह पृथ्वी पर मौजूद सबसे छोटे, अजीब और दुर्लभ प्रजातियों में से एक है। इसका नाम है स्टैग बीटल। यह लुकानिडे परिवार का सदस्य है, जिसमें कीड़ों की 1200 प्रजातियां हैं। इसको पालने के लिए लोग लाखों करोड़ों रुपए तक खर्च करने के लिए तैयार हैं। देखने में यह बहुत छोटा सा दिखता है पर इसे खरीदना रईसों के बस की भी बात नहीं। यानी अगर आपको मिल जाए तो आप तुरंत करोड़पति बन सकते हैं। आपको बता दें कि इस कीड़े से कई तरह की असाध्य रोगों मे उपयोग होने वाली महंगी दवाइयां बनाई जाती हैं जिसकी वजह से इसकी कीमत इतनी ज्यादा है। इसी वजह से इस कीड़े की प्रजाति पर लुप्त होने का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। बताया गया है कि यह कीड़ा इतना नाजुक होता है कि तेज ठंड बर्दाश्त नहीं कर सकता। सर्दी के मौसम में अगर यह कीड़ा अपनी रक्षा नहीं कर पाता तो इसकी मौत हो जाती है। 2 स्टैग बीटल जब आपस में लड़ाई करते हैं तो ये किसी सुमो रेसलर जैसे एक-दूसरे को पीछे तक धकेलने की कोशिश करते हैं। हम कुछ ऐसे फीचर्स बताते हैं, जिससे आप इस दुर्लभ कीड़े की पहचान कर सकते हैं। इसके सिर पर काले सींग लगे होते हैं सिर्फ गर्म जगहों पर मिलता है। ठंड पड़ने पर इसकी मौत हो जाती है। ये कूड़ों के बीच रहता है। इतना ही नहीं, ये कीड़ा करीब सात साल तक जिंदा रहता है। स्टैग बीटल के लार्वा सड़ती हुई लकड़ी को खाते हैं। वयस्क स्टैग बीटल फलों के रस, पेड़ के रस और पानी पर जीवित रहते हैं। इसकी जीभ नारंगी रंग की होती है। वयस्क स्टैग बीटल ठोस लकड़ी को नहीं खा सकते हैं। वे लार्वा अवधि के दौरान निर्मित अपने वसा भंडार पर भरोसा करते हैं। एक स्टैग बीटल को वयस्क होने में सिर्फ कई हफ्तों का समय लगता है। एक वयस्क के रूप में उभरने के बाद कुछ ही महीनों तक जीवित रहते हैं। कई देशों में इस कीड़े को विलुप्त होने की श्रेणी में डाल दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर सीएम भूपेश बघेल का पलटवार

किसानों की आय दोगुना होने की बात कही थी, खर्च हो गया दोगुना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। संसद में विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीए सरकार के दौरान के भ्रष्टाचार के मामलों और भाजपा सरकार में आर्थिक विकास की बात की। उन्होंने कहा, कुछ लोगों को देश के विकास से बहुत निराशा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा, अगर विकास का पैमाना केवल अडानी हैं तो ऐसा विकास नहीं चाहिए।

रायपुर में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, सवाल यह है कि देश की प्रगति किससे है। किसानों की आय दोगुना होने की बात कही थी, खर्च दोगुना हो गया। अगर विकास का पैमाना केवल अडानी के विकास से है तो ऐसा विकास नहीं चाहिए। कल राहुल गांधी ने कहा कि 609 नंबर से बढ़कर 2 नंबर पर आये थे और एक पेपर प्रकाशित हुआ तो घटकर सीधे 23वें नंबर पर पहुंच गये। मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा विकास होना चाहिए जिसमें इस देश के किसान, मजदूर, युवा, महिलाएं, आदिवासी, अनुसूचित जाति का विकास हो। केवल मुट्ठी भर लोगों का विकास नहीं चाहिए। ये लोकतांत्रिक देश है। इसमें सबका हिस्सा है और सबके पास विकास की किरणें पहुंचनी चाहिए।

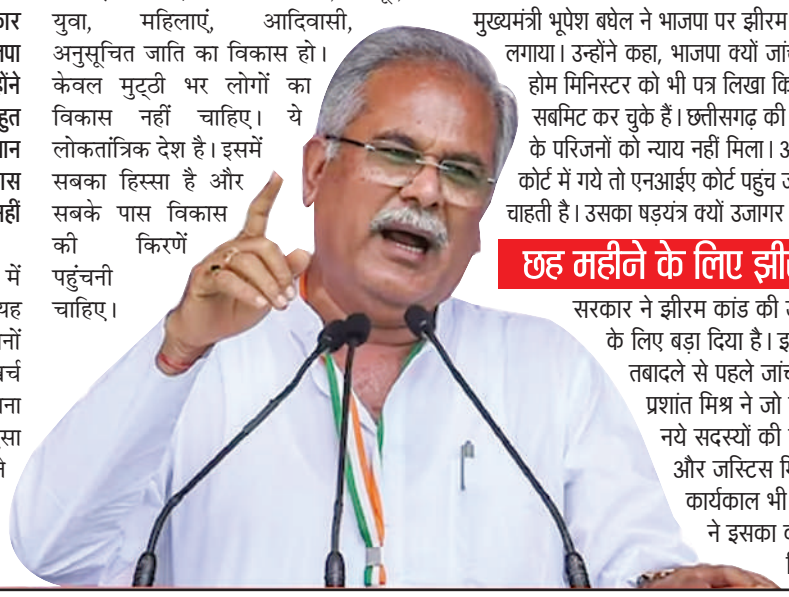

भाजपा पर झीरम की जांच रोकने का आरोप लगाया

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर झीरम घाटी कांड की जांच रोकने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, भाजपा क्यों जांच रोक रही है। हमने एनआईए को भी पत्र लिखा, होम मिनिस्टर को भी पत्र लिखा कि आपकी जांच पूरी हो गई है, आप फाइनल रिपोर्ट सबमिट कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ की जनता को, झीरम में शहीद हुए नेताओं और जवानों के परिजनों को न्याय नहीं मिला। अब हमें जांच करने का अधिकार दे दिया जाए। हम कोर्ट में गये तो एनआईए कोर्ट पहुंच जाती है। कानून की आड़ लेकर भाजपा किसे बचाना चाहती है। उसका षड़यंत्र क्यों उजागर नहीं होने देना चाह रही है।

छह महीने के लिए झीरम आयोग का कार्यकाल बढ़ा

सरकार ने झीरम कांड की जांच कर रहे आयोग का कार्यकाल छह महीने के लिए बड़ा दिया है। इस आयोग का गठन मई 2013 में हुआ था। तबादले से पहले जांच कर रहे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस प्रशांत मिश्र ने जो रिपोर्ट दी थी, उसे सरकार ने अधूरा बताकर दो नये सदस्यों की नियुक्ति कर दी थी। जस्टिस सतीष अग्निहोत्री और जस्टिस मिनहाजुद्दीन के दो सदस्यीय आयोग का कार्यकाल भी 10 फरवरी को खत्म हो रहा था। अब सरकार ने इसका कार्यकाल 10 अगस्त 2023 तक के लिए बड़ा दिया है।

रोडवेज बस ने सात लोगों को कुचला, चार की मौत, तीन घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में दर्दनाक हादसा हुआ है। एक रोडवेज बस ने सड़क पार कर रहे एक कंपनी के कर्मचारियों को कुचल दिया। दर्दनाक हादसे में चार कर्मचारियों की मौत हो गई। जबकि तीन घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बादलपुर कोतवाली इलाके क्षेत्र के जीटी रोड स्थित हीरो मोटर्स कंपनी के सामने सड़क पार कर रहे कर्मचारियों को रोडवेज डिपो की बस ने टक्कर मार दी। जिसमें चार कर्मचारियों की मौत हो गई। जबकि तीन कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, जीटी रोड स्थित हीरो मोटर्स कंपनी की बुधवार रात में साढ़े ग्यारह बजे शिफ्ट छूट रही थी। उसी समय दादरी की तरफ से नोएडा की ओर जा रही नोएडा डिपो की रोडवेज बस ने सड़क पार कर रहे कर्मचारियों को टक्कर मार दी। हादसे का शिकार कर्मचारी संकेश्वर कुमार दास, मोहरी कुमार, सतीश, गोपाल, अनुज, धर्मवीर और संदीप हुए। इनमें चार लोगों की मौत हो गई। तीन लोग घायल हैं।

मेहमानों की अगवानी के लिए सज-धजकर तैयार राजधानी

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आने वाले मेहमानों की खातिर राजधानी लखनऊ दुल्हन की तरह सज-धजकर तैयार है। इसी के तरह भूल-भुलैया यानि बड़ा इमामबाड़ा में की गई लाइटिंग मंत्रमुग्ध कर रही है।

दिल्ली सरकार के बेहतर निर्णयों से प्रदूषण में 77 फीसदी की कमी आई : गोपाल राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विंटर एक्शन प्लान की रिपोर्ट पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस साल समय से पहले पराली व कूड़ा जलाने पर रोक, धूल प्रदूषण पर नियंत्रण, वार रूम व ग्रीन एप को उन्नत बनाने से बेहतर परिणाम आए हैं। इससे राजधानी के प्रदूषण में करीब 77 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। ऐसा दिल्ली सरकार के बेहतर निर्णयों की वजह से हुआ है।

दिल्ली सचिवालय में गोपाल राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी, वन एवं वन्यजीव विभाग, डीएसआईआईडीसी, एमसीडी, एनडीएमसी, डीडीए, राजस्व विभाग, जल बोर्ड, विकास विभाग, शिक्षा विभाग, दिल्ली पुलिस, डीटीसी, आई एंड एफसी, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में गोपाल राय ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से विंटर एक्शन प्लान के 15 बिंदुओं पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल के नेतृत्व में प्रदूषण को कम करने के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। इस बार सर्दियों में विशेष कदम उठाए गए। इसके परिणाम स्वरूप प्रदूषण कम हुआ। सरकार और विभिन्न विभागों के प्रमुखता के साथ काम करने का असर देखने को मिला है। हवा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। 2016 के मुकाबले प्रदूषण में 77 प्रतिशत की कमी आई है।

दस साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध, ई-वाहन को बढ़ावा देने, निर्माण कार्यों पर रोक, ग्रीन एरिया बढ़ाना, पटाखों पर प्रतिबंध, पराली जलने पर रोक, ग्रीन वार रूम की स्थापना, औद्योगिक इकाइयों का पीएनजी से संचालन और सरकार द्वारा किए जा रहे तमाम प्रयासों की वजह से हवा में सुधार हुआ है। इस बार 4329 एकड़ भूमि पर बायो-डीकंपोजर का छिड़काव भी किया गया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले सीएम सुक्खू, कहा-

राष्ट्रीय राजमार्गों के मरम्मत कार्य के लिए धनराशि जारी करे केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की और प्रदेश से संबंधित विभिन्न मामलों विशेषकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से कार्यान्वित की जा रही फोरलेन परियोजनाओं और अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि प्रदेश की फोरलेन परियोजनाओं विशेषकर किरतपुर-मनाली, परवाणू-शिमला, चक्की-मटौर-शिमला, मंडी-पठानकोट, नालागढ़-स्वारघाट, मुबारकपुर-अंब-नादौन और पावंटा साहिब-कालाअंब राजमार्ग के निर्माण कार्यों को गति दी जाए, जिससे इनका कार्य समयबद्ध पूर्ण हो सके। उन्होंने टू लेन हाईवे को फोरलेन में स्तरोन्नत करने और राष्ट्रीय राजमार्गों में टनल निर्मित करने के संबंध में भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सुचारू यातायात तथा यात्रियों की सुविधा के लिए फ्लाई ओवर निर्माण तथा पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत प्रदेश में प्रस्तावित रोपवे के निर्माण का भी आग्रह किया।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने राज्य में आगामी पर्यटन सीजन के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्गों के मरम्मत कार्य के लिए धनराशि जारी करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अधिकतर पर्यटक सड़क मार्गों से आते हैं और इसे ध्यान में रखते हुए सड़क मार्गों को और सुदृढ़ करने की जरूरत है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में कार्यान्वित की जा रहीं केंद्र की ओर से वित्तपोषित परियोजनाओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने अंतरराज्यीय संपर्क सुविधा के उन्नयन पर भी बल दिया और केंद्रीय मंत्री ने इस पर अपनी सैद्धांतिक सहमति प्रदान की।

लखनऊ का नाम बदलकर लक्ष्मणपुर किए जाने की मांग पर बोले स्वामी प्रसाद

लक्ष्मण कौन सी लड़ाई लड़ने आए थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों पर सवाल उठाने के बाद अब समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण पर विवादित बयान दिया है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का नाम लक्ष्मणपुर किए जाने की मांग पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि लक्ष्मण कौन सी लड़ाई लड़ने आए थे?

लखनऊ का नाम बदलकर लक्ष्मणपुर करने पर सपा नेता और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि यह सब कपोल कल्पना करना और मुंगेरीलाल के सपने देखना है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई चुनाव नजदीक आता है तो बीजेपी के लोग इसी तरह बेलगाम होकर अनाप-शनाप मांग रखते हैं, झूठी वाहवाही लूटने की कोशिश करते हैं।

» सपा नेता ने कहा, चुनाव नजदीक आते ही इसी तरह अनाप-शनाप मांग रखकर झूठी वाहवाही लूटने की कोशिश करते हैं बीजेपी के लोग

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, लखनऊ क्यों बुरा है, बीजेपी के लोग भी कहते हैं कि यह लखनऊ गंगा-जमुनी तहजीब का केंद्र है, लखनऊ हमारी संस्कृति की विरासत है। उन आक्रमणकारियों से लक्ष्मण का क्या वास्ता, वह कौन सी लड़ाई लड़ने आए थे। लक्ष्मण कहीं फ्रीडम फाइट में कहीं दिखाई पड़े थे क्या?

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, लखनऊ का नाम बदलना है तो पासी समाज की महिला वीरांगना देवी के नाम पर क्यों नहीं रख देते हैं, लाखन पासी लखनऊ के राजा थे उनके नाम पर रख दे, नाम बदलना बच्चों के घरौंदे का खेल नहीं है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि रामचरितमानस की चौपाइयों को लेकर मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों के आपत्तिजनक अंश जिसमें समस्त महिलाओं, आदिवासियों, दलितों व पिछड़ों को सामाजिक, धार्मिक स्तर पर नित्यप्रति अपमानित होना पड़ता है, को संशोधित/प्रतिबंधित करने एवं पीड़ित वर्ग को सम्मान दिलाने हेतु पत्र राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को प्रेषित।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि पीएम रामचरितमानस की चौपाइयों के आपत्तिजनक अंश को हटाए, जिसमें महिलाओं और शूद्रों को अपमानित किया गया है। बीजेपी में रहते हुए रामचरितमानस पर सवाल न उठाने के सवाल का जवाब देते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि हर चीज का एक अवसर होता है।

आज काशी आ रहीं हिलेरी क्लिंटन, गंगा आरती में होंगी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन गुरुवार यानि आज तीन दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंचेंगी। उनके आगमन से पहले पुलिस और प्रशासन अपनी तैयारियों में जुट गया है। तीन दिन के वाराणसी दौरे में हिलेरी बनारस की संस्कृति और परंपरा से रूबरू होंगी। हिलेरी क्लिंटन विश्वनाथ धाम, और रामनगर का भ्रमण भी करेंगी। दशाश्वमेध घाट की गंगा आरती में भी शामिल होंगी।

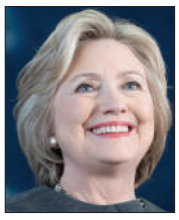

जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया कि उनके आगमन को लेकर सोमवार को एडवांस सिक्योरिटी लाइजनिंग की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम के लिए बैठक हुई थी। बैठक के दौरान एयरपोर्ट परिसर के साथ ही आसपास की सुरक्षा व्यवस्था का खाका तैयार किया गया। सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी के लिए अमेरिकी एजेंसी के अधिकारी भी वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पत्नी और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन करूज से गंगा के घाटों को निहार सकती हैं। कुछ स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से भी मिल सकती है।

संघ प्रमुख को मिली जान से मारने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 10 फरवरी को भागलपुर जाने ाले हैं। इसी बीच मोहन भागवत को लेकर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ, चरमपंथी और नक्सली संगठनों ने धमकी दी है। जिसके बाद केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी अलर्ट हो गई है।

भागलपुर पुलिस-प्रशासन संघ प्रमुख के आगमन को लेकर पहले से ही सतर्क है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसएसपी आनंद कुमार और एसडीओ सदर धनंजय कुमार स्थल महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज के कुप्पा घाट आश्रम के संचालन मंडल अखिल भारतीय संतमत महासभा के पदाधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। संघ प्रमुख के आश्रम आने और उनके कार्यक्रम से जुड़े पहलुओं पर पुलिस पदाधिकारी और आश्रम के पदाधिकारियों ने बातचीत की है।

मोहन भागवत के आगमन और आतंकी खतरे की संभावना को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों की टीम बीते तीन दिनों से शहर में दौरा कर सुरक्षा-व्यवस्था और आसपास की गतिविधियों पर नजर रख रही है। नेपाल सीमा से नजदीक होने के कारण सुरक्षा एजेंसियां सीमांचल के अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार के अलावा नवगछिया, भागलपुर, बांका में होने वाली गतिविधियों पर भी नजर रख रही हैं।

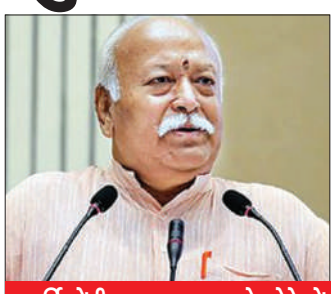

महर्षि मेंही आश्रम सुरक्षा के घेरे में

महर्षि मेंही आश्रम कुप्पाघाट में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत गुरुनिवास का अनावरण करेंगे। उनके आने को लेकर आश्रम केंद्रीय सुरक्षा के घेरे में है। चारों ओर से अंदर में केंद्रीय सुरक्षा बल की जवान तैनात है। वहीं, स्थानीय प्रशासन ने भी एक हजार जवानों के साथ सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की है।

भागलपुर में चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की तैनाती

एसएसपी आनंद कुमार ने पुलिस टीम के साथ बरारी थानाक्षेत्र के मायागंज स्थित महर्षि मेंहीं परमहंसजी महाराज के कुप्पा घाट आश्रम में होने वाले आगमन को लेकर परिसर का मुआयना किया। उन्होंने सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस पदाधिकारियों से मंत्रणा भी की है। मोहन भागवत के दस फरवरी को लगभग चार घंटे के भागलपुर प्रवास के दौरान उनके आवाजाही वाले मार्ग और आसपास के इलाके के अलावा गंगा नदी क्षेत्र में पुलिस की गश्त रहेगी। एसडीएम धनंजय कुमार लगातार आश्रम के संपर्क में हैं।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा

तेल टैंकर में सफाई करने उतरे सात मजदूरों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। ऑयल फैक्ट्री के टैंकरों की सफाई के दौरान सात मजदूरों की मौत हो गई है। मौत का कारण मजदूरों का दम घुटना बताया जा रहा है। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुलिस ने बताया कि रागमपेट गांव के पास खाने के तेल की फैक्ट्री है। ये हादसा गुरुवार सुबह करीब सात बजे हुआ है। शुरुआती जानकारी में पता चला है कि मृतक पेड्डापुरम मंडल के पडेरू और पुलीमेरु के रहने वाले थे।एक चश्मदीद ने हादसे के बारे में बताया है। उसने कहा कि पहले एक मजदूर टैंक में घुसा, जब वो बाहर नहीं आया तो उसके पीछे बाकी मजदूर भी टैंकर में घुसे। मजदूरों की मौत के बाद उनके परिवार में मातम पसर गया है। परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं।

संसद में अपशब्द इस्तेमाल करने पर बोलीं महुआ मोइत्रा

मैं अपने बयान पर कायम, माफी नहीं मागूंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा इन दिनों विवादों में हैं। हालांकि, महुआ लगातार अपने बयान पर कायम रहने की बात कह रही हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी को माफी के लिए लंबे समय तक इंतजार करना होगा।

महुआ मोइत्रा ने बिना नाम लिए कहा कि बीजेपी को उनसे माफी मंगवाने से पहले अपने सांसद से माफी मांगने और अपनी हरकत ठीक करने के लिए कहना चाहिए। बीजेपी के सांसद ने बंदर की तरह उनके भाषण को बाधित करने की कोशिश करने के अलावा और कुछ नहीं किया।

सेब को सेब ही कहूंगी संतरा नहीं

इससे पहले जब बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि विपक्षी सदस्यों को अपनी जीभ पर नियंत्रण रखना चाहिए। इसको लेकर महुआ ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि बीजेपी हमें संसदीय शिष्टाचार सिखा रही है। मैं सेब को सेब ही कहूंगी, संतरा नहीं। उन्होंने कहा कि अगर वे मुझे विशेषाधिकार समिति के सामने ले जाएंगे, तो मैं अपना पक्ष रखूंगी।

विवादों में फंसीं सांसद

दरअसल, 7 फरवरी को महुआ मोइत्रा ने लोकसभा में भाषण दिया था। इस दौरान उन्होंने तीखे अंदाज में केंद्र सरकार को अडानी के मुद्दे पर घेरा और कई सवाल किए। महुआ का भाषण खत्म होते ही तेलुगू देशम पार्टी के सांसद राममोहन नायडू अपनी बात रखने लगे। इतने में महुआ अपनी सीट से उठीं और सत्ता पक्ष के किसी सदस्य के लिए अपशब्द इस्तेमाल किया। इसी को लेकर अब वह विवादों में फंस गई हैं।

बीजेपी सांसदों ने की माफी की मांग

लोकसभा में मंगलवार को टीडीपी नेता के राम मोहन नायडू के संबोधन के दौरान महुआ मोइत्रा के गाली-गलौज वाले बयान को माइक्रोफोन में रिकॉर्ड किया गया था। टीएमसी नेता ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के लिए असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया। इसके बाद बीजेपी सांसदों ने उनसे माफी मांगने की मांग की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।